रेलवे स्टेशनों के लाइसेंस शुदा कुलियों द्वारा यात्रियों से नियत पैसों से अधिक पैसों का लिया जाना

225. **श्री शिव कुमार शास्त्री :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को समाचार मिले हैं कि रेलवे स्टेशनो पर लाइसेस प्राप्त कुली सामान ढोने के लिए यात्रियो से अधिक पैसों की माग करते है जो कि अधिकारियों द्वारा नियत की गई दरों से तीन से चार गुना अधिक होते हैं;

(ख) क्या कुलियों के मनमाने रवैये के बारे में शिकायतों को शीघ्र सुनने तथा मामले में कार्यवाही करने के लिए रेलवे स्टेशनों पर कोई व्यवस्था नही हैं; और

(ग) यदि हां, तो सरकार का विचार इस मामले मे क्या कार्यवाही करने का है ?

रेल मंत्री (श्री टी. ए. पाई) : (क) और (ख). सरकार को ऐसी रिपोर्ट नही मिली है कि स्टेशनों पर काम करने वाले भारिक निर्धारित दरों से तिगुनी चौगुनी रकम लेते हैं। लेकिन समय समय पर लाइसेंसधारी भारिकों द्वारा यात्रियो से अधिक प्रभार लेने की शिकायतें मिलती रहती है। ऐसी सभी शिकायतों पर उपयुक्त कार्रवाई की जाती है।

शिकायतें स्टेशन अधिकारियों के पास की जा सकती हैं जो कि ऐसी शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करते हैं और भारिकों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई करने का अधिकार रखते हैं जिनमें उन्हे काम से निलम्बित करने और उनके लाइसेंस रद्द करने का अधिकार भी शामिल है।

यह भी उल्लेखनीय है कि भारिकों के काम की जांच करने के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए है। इसके अलावा स्टेशनों पर लगाए गए लाउड स्पीकरों पर बार बार घोषणा की जाती है जिनमें भारिकों के लिए अधिकृत दरों का ब्यौरा बताया जाता है कि इन दरों से अधिक भुगतान न करें।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

माल वाहन के लिए रेल के डिब्बे

227. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
श्री बनमाली पटनायक :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान माल वाहन के लिए रेल के डिब्बे मिलने मे जनता को होने वाली कठिनाइयो की ओर दिलाया गया है;

(ख) डिब्बे उपलब्ध होने के सम्बन्ध मे डिवीजनवार स्थिति क्या है; और

(ग) डिब्बे उपलब्ध होने अथवा विलम्ब से डिब्बे सप्लाई किए जाने सम्बन्धी कारण क्या है और उनका ब्यौरा क्या है और इस सम्बन्ध मे क्या कारगार कार्यवाही की गई है या करने का विचार है और क्या इस सम्बन्ध में डिवीजन स्तर पर ऐसी समितियां बनाई जायेंगी जिन मे उपभोक्ताओं के भी प्रतिनिध हों ?

रेल मंत्री (श्री टी० ए० पाई) : (क) जी हां।

(ख) सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जायेगी।

(ग) हड़ताल, बन्द, समाज-विरोधी गतिविधियों आदि के कारण पूर्वी क्षेत्र में गाड़ी सेवा की विभिन्न अस्त-व्यस्तताओं के कारण 1971-72 में देश में रेल परिचालन पर गंभीर प्रभाव पड़ा था। केवल पूर्व रेलवे पर दिसम्बर, 1971 तक लगभग 20,000 माल डिब्बे रुके रहे, जिसके कारण दूसरी रेलों पर माल डिब्बों की आम कमी रही। बहुत अधिक वार्डों और लाइनों की टूट-फूट तथा शरणार्थियों के लिए